# तू राम भजन कर प्राणी,तेरी दो दिन की जिन्दगानी ॥

तू राम भजन कर प्राणी,
तेरी दो दिन की जिन्दगानी ॥

तू राम भजन कर प्राणी,
तेरी दो दिन की जिन्दगानी ॥

काया-माया बादल छाया,
मूरख मन काहे भरमाया।

उड़ जायेगा साँसका पंछी,
फिर क्या है आनी-जानी ॥

तू राम भजन कर प्राणी,
तेरी दो दिन की जिन्दगानी ॥

जिसने राम-नाम गुन गाया,
उसको लगे ना दुखकी छाया।

निर्धनका धन राम-नाम है,
मैं हूँ राम दिवानी ॥

तू राम भजन कर प्राणी,
तेरी दो दिन की जिन्दगानी ॥

जिनके घरमें माँ नहीं है,
बाबा करे ना प्यार ;
ऐसे दीन अनथोंका है,
राम-नाम आधार।

मुखसे बोलो रामकी बानी,
मनसे बोलो रामकी बानी ॥

तू राम भजन कर प्राणी,
तेरी दो दिन की जिन्दगानी ॥

सजन सनेही सुखके संगी,
दुनियाकी है चाल दुरंगी।

नाच रहा है काल शीश पे,
चेत-चेत अभिमानी ॥

तू राम भजन कर प्राणी,
तेरी दो दिन की जिन्दगानी ॥

तू राम भजन कर प्राणी,

Source:
https://www.bharattemples.com/tu-ram-bhajan-kar-prani-teri-do-din-ki-zindgani/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw